अध्याय 9

आत्माओं का संसार

"जो आत्मा जो तुम में है वह उस आत्मा से जो संसार में है, अधिक शक्तिशाली है" (१ यूहन्ना ४:४)।

मारियाना बाल्यावस्था से ही आत्माओं की मध्यस्थता करने वाली बन गई। जब उससे मेरी मुलाकात हुई वह २५ वर्ष की थी और शैतान एवं अशुद्ध आत्माओं के द्वारा जकड़ी हुई थी। उन महीनों के प्रथम तीन सप्ताह जबकि मैं और कई अन्य विश्वासी मारियाना और उसके पिता के साथ रहते थे, एक भयानक आत्मिक युद्ध का समय था।

प्रति संध्या हम मारियाना के ऊपर हाथ रखकर उसके छुटकारे के लिए प्रार्थना करते थे। अशुद्ध आत्माओं ने उसे मार डालने की कोशिश की तथा हमें भी नुकसान पहुंचाना चाहा कि ऐसा नहीं कर सकें। हमने शैतानी ताकतों का मुकाबला किया एवम् यीशु के लोहू की सुरक्षा के लिये काफी प्रार्थना की। धीरे-धीरे अशुद्ध आत्माएं उससे निकल गईं। परमेश्वर की सामर्थ अधिक थी और जल्दी ही मारियाना पूर्णतः स्वतंत्र हो गई। वह हर एक से यह बता सकती थी "परमेश्वर जो मुझमें है वह इस संसार के शैतान एवं अशुद्ध आत्माओं से कहीं बढ़कर है।"

मारियाना परमेश्वर के परिवार की एक सदस्य एवम् कलीसिया की एक सदस्य बन गई जिसका अध्ययन हमने अभी-अभी किया है। केवल परमेश्वर उसे अपने वश में तथा केवल पवित्र आत्मा उसके जीवन में प्रवेश कर सका।

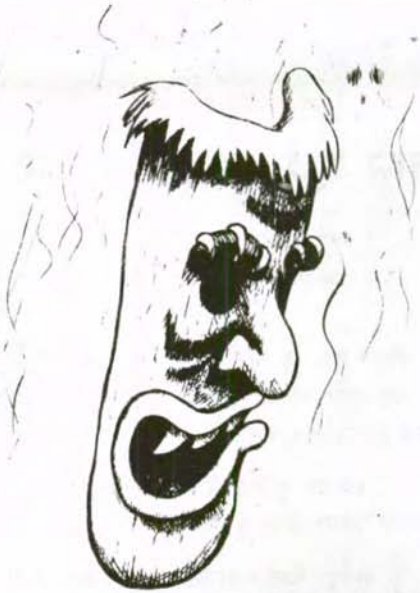

शायद आपने भी शैतान को कार्य करते हुए देखा होगा। किन्तु आपको घबराने की आवश्यकता नहीं। परमेश्वर की सामर्थ उनसे कही बढ़कर है। इस पाठ में आत्माओं के संसार की सामर्थ एवं हम विश्वासियों को मसीह की सुरक्षा प्राप्त है, इसके विषय में हम अध्ययन करेंगे।

इस पाठ में आप अध्ययन करेंगे....

शैतान एवं अशुद्ध आत्माएं

स्वर्गदूत

यह पाठ आपकी सहायता करेगा कि आप...

- व्याख्या कर सकें कि शैतान कौन है एवं उसका भविष्य क्या है।
- भले और बुरे स्वर्गदूतों के विषय में जान सकें।
- भले स्वर्गदूतों के द्वारा विश्वासियों को मिलने वाले लाभ के विषय में जान सकें।

शैतान एवं अशुद्ध आत्मा

उद्देश्य १. यह बताना कि शैतान कौन है तथा उसका एवं उसकी अशुद्ध आत्माओं का भविष्य क्या है।

शैतान एक दुष्ट स्वर्गदूत है जिसे स्वर्ग से नीचे गिरा दिया गया था क्योंकि वह अपने आपको परमेश्वर से ऊंचा करना चाहता था। यशायाह १४:१४-१५ कहता है :

तूने कहा कि तू मेघों से भी ऊंचे स्थानों पर चढ़ेगा और परम प्रधान के तुल्य हो जाएगा किन्तु तू अधोलोक में मौत के गड़हे में उतारा जायेगा।

बुरे स्वर्गदूत जिन्होंने उसका अनुसरण किया उनका भविष्य भी वैसा ही है : "परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्होंने पाप किया था नहीं छोड़ा। परन्तु नरक में डालकर अन्धेरे कुण्डों में डाल दिया" (२ पतरस २:४)। यीशु ने कहा, "मैं शैतान को बिजली की नाईं से गिरा हुआ देख रहा था" (लूका १०:१८)।

शैतान (जिसे कभी-कभी लूफीसर या शैतान कहा गया है) प्रयत्न करता है कि पुरुषों एवं स्त्रियों को जीवित परमेश्वर की सेवा करने से रोक दे। पहला पतरस ५:८ हमें चिनौती देता है "सचेत रहो और जागते रहो, तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाईं इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाए।"

अशुद्ध आत्माएं शैतान के साथ कार्य करती हैं ताकि लोगों को नुकसान पहुंचाएं एवं उनका नाश कर दें। मत्ती ८:२८-३४ दो व्यक्तियों के विषय में बताती है जो पागल हो गए थे क्योंकि उनमें अशुद्ध आत्माएं या प्रेत थे। किन्तु सदा से परमेश्वर की सामर्थ शैतान की सामर्थ से कहीं बढ़कर है। यीशु ने इन अशुद्ध आत्माओं को उन व्यक्तियों में से निकाल कर यह सामर्थ दिखाई।

जब संध्या हुई तब वे यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जिनमें अशुद्ध आत्माएं थी और उसने उन आत्माओं को अपने वचन से निकाल दिया, ताकि जो वचन यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था वह पूरा हो, कि उसने आप हमारी दुर्बलताओं को ले लिया और हमारी बीमारियों को उठा लिया। (मत्ती ८:१६-१७)।

जब मसीह अपना राज्य इस पृथ्वी पर स्थापित करने आएगा तो शैतान नरक में डाला जायेगा।

> तब उनका भरमानेवाला शैतान आग और गंधक की उस झील में, जिसमें वह पशु एवं झूठा भविष्यद्वक्ता भी होगा, डाल दिया जाएगा और वे रात दिन युगानुयुग पीड़ा में तड़पते रहेंगे (प्रकाशित वाक्य २०:१०)।

जब आप शैतान की परीक्षाओं से घिरे हुए हैं या अशुद्ध आत्माओं के कारण खतरे में हैं तो आप उनका मुकाबला कर सकते हैं। याकूब ४:७ कहता है "शैतान का सामना करो तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।" शैतान से मुकाबला करने का एक तरीका यह है कि हम जोर से बोलें। आप कुछ इस तरह कह सकते हैं : "मैं शैतान का मुकाबला करता हूं। उस का मुझ पर कोई अधिकार नहीं क्योंकि मैं परमेश्वर का पुत्र हूं। मैं यीशु के लोहू से ढका एवं सुरक्षित हूं जो शैतान एवं उसके सारे दुष्ट दूतों पर जयवन्त हुआ है।

हमारे भाई मेम्ने के लोहू के कारण और अपनी गवाही के वचन के कारण उस पर जयवन्त हुए।
(प्रकाशित वाक्य १२:११)।

जैसा कि हम दूसरे भाग में अध्ययन करेंगे कि परमेश्वर आपकी सेवा हेतु स्वर्गदूत भेजता है। यदि आप परमेश्वर के पुत्र हैं तो आपको घबराने की आवश्यकता नहीं।

• • •

जो आपको करना है

१. क्योंकि परमेश्वर ने जो ..... हमें दिया है
उससे हम .....' नहीं किन्तु .....
..... हमें .....,.....
और ..... से भर देता है
(दूसरा तीमुथियुस १:७)।

२. शैतान और अशुद्ध आत्माओं के विषय में दिये गये प्रत्येक सही कथन के सामने के अक्षर में वृत्त खींच दें।

अ. शैतान एक गर्जने वाले सिंह के समान है जो मसीही विश्वासियों को नुकसान पहुंचाना चाहता है।

ब. अशुद्ध आत्माएं ऐसे लोगों की दृष्टि में कल्पना मात्र है जो अधिक नहीं जानते।

स. यीशु मसीह द्वारा क्रूस पर बहाए गए लोहू द्वारा हम शैतान एवं अशुद्ध आत्माओं पर जय प्राप्त कर सकते हैं।

ड. यदि एक विश्वासी शैतान का मुकाबला करे तो शैतान उसको नुकसान नहीं पहुँचा सकता।

३. पढ़ो मत्ती २५:४१ शैतान और उसके दूतों के लिए क्या तैयार किया गया है?

.....

• • •

स्वर्गदूत

उद्देश्य २: स्वर्गदूत के तीन कार्यों की पहचान करना।

"स्वर्गदूत क्या है? वे ऐसी आत्माएं हैं जो परमेश्वर के द्वारा उद्धार पाने वालों की सहायता के लिए भेजी जाती है" (इब्रानियों १:१४)।

क्या आपने संरक्षक स्वर्ग दूतों के विषय में सुना है? वे वास्तविक हैं। बाइबल बताती है : "डरवैयों के चारों ओर उसका दूत छावनी किए हुए उनको बचाता है" (भजन संहिता ३४:७)।

स्वर्गदूतों के कई कार्य हैं, जिन में पहला यह कि अपने सृजनहार, परमेश्वर की सेवा करना। स्वर्गदूत हर समय परमेश्वर की आराधना करते रहते हैं। नहेम्याह ९:६ बताता है "स्वर्ग की सारी शक्तियां उसके सामने झुक कर उसकी आराधना करती हैं।" वे अपने आप कुछ नहीं करते किन्तु वे मसीह के अधीन हैं। पहला पतरस ३:२२ हमें बताता है "वह स्वर्ग पर जाकर परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठ गया और स्वर्गदूत और अधिकारी और सामर्थी उसके अधीन किए गये।"

पुराने नियम (व्यवस्था) के देने में स्वर्गदूतों ने भाग लिया (गलतियों ३:१९) और बाद में यहूदिया की पहाड़ी पर गीत गाकर यीशु के जन्म का समाचार दिया (लूका २:१३-१४) हम सभों ने उनके गीत को उनके शब्दों में प्रत्येक बड़े दिन के अवसर पर गाते हुए सुना है।

जब यीशु इस पृथ्वी पर था तब उन्होंने उसकी सेवा टहल की। लूका ४:११ बताता है कि जंगल में उसकी परीक्षा लिए जाने के बाद स्वर्गदूतों ने उसकी सेवा टहल की। जब यीशु ने गतसमनी बाग में अपने प्राण पीड़ा के बीच प्रार्थना की तो स्वर्गदूतों ने आकर उसे हिम्मत दी।

बाइबल बताती है कि स्वर्गदूत हमारी भी सेवा-टहल करते हैं। यद्यपि हम उन्हें नहीं देख सकते किन्तु वे हमारी देखभाल करते हैं — प्रत्येक खतरे से हमें बचाकर रखते हैं। उनकी बचाव सहायता के कारण हम दुर्घटनाओं एवं समस्याओं के बारे में पहले से न जानते हुए भी बच जाते हैं।

तो भी हम जानते हैं कि उन्हें हमारी सहायता के लिए भेजा गया है, क्योंकि बाइबल ऐसा कहती है। कई उदाहरण भी दिये गए हैं जो हमें विश्वास करने के लिए उत्साहित करते हैं। जब दानिय्येल को सिंहों की माँद में डाला गया था, उसने राजा के आगे गवाही दी। "परमेश्वर ने सिंहों के मुंह बन्द करने के लिए स्वर्गदूतों को भेजा ताकि वह मुझे नुकसान न पहुंचाएं" (दानिय्येल ६:२२)।

पहला राजा १९:५ हमें बताता है कि एक स्वर्गदूत ने एलिय्याह भविष्यद्वक्ता को भोजन लाकर दिया जब कि वह इतना थका हुआ था कि उसने सोचा कि वह मर जाएगा। और एक स्वर्गदूत ने पतरस को बन्दीगृह में से छुड़ाया जब वह सुसमाचार के कारण सताया जा रहा था (प्रेरितों के काम १२:७)

चाहे स्वर्गदूत दिखाई देते हों या नहीं किन्तु हम यह जानते हैं कि उन्हें हमारी सहायता के लिए भेजा जाता है। कितनी तसल्ली की बात है कि वे वह सब करने को तैयार हैं जिसे परमेश्वर कहता है।

जैसा कि हमने पहले ही सीखा है कि वे अपने आप से नहीं किन्तु दैवीय अधिकार से कार्य करते हैं। और केवल परमेश्वर की प्रशंसा करते रहते हैं। यूहन्ना जिसे प्रिय कहा गया है वह उस प्रेम में इतना लीन हो गया कि जब एक स्वर्गदूत के द्वारा उसे संदेश दिया गया तो उसने गिर कर उसे दंडवत किया किन्तु स्वर्गदूत ने उसे रोका "ऐसा मत कर।" उसने कहा, "मैं एक सहकर्मी एवं तुम्हारा और उन सब का भाई हूं जो यीशु की सच्चाई पर चलते हैं। परमेश्वर की आराधना कर" (प्रकाशित वाक्य १९:१०)।

आपको स्वर्गदूत की आराधना नहीं करनी चाहिए किन्तु आप उन्हें आनन्दित होने का अवसर दे सकते हैं। यदि आपने अपना जीवन यीशु को दे दिया है, तो तुमने पहले ही उन्हें आनन्दित कर दिया है। यीशु ने कहा, "मैं तुम से कहता हूं कि एक पापी के मन फिराने से परमेश्वर के दूत आनन्द मनाते है" (लूका १५:१०)। परमेश्वर के पुत्र के रूप में आप उनके द्वारा सहायता प्राप्त कर सकते हैं। "परमेश्वर अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा कि जहां कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें" (भजन संहिता ९१:११)।

जो आपको करना है

४. निम्नलिखित पदों को पढ़ें एवं प्रत्येक दी गई जगह में उस पद में दिए गए स्वर्गदूत के कार्य को लिखें।

अ. इब्रानियों १:६ .....

ब. उत्पत्ति २४:४० .....

स. भजन संहिता ९१:११ .....

५. इस वाक्य को सही-सही पूर्ण करने वाले कथन के चारों ओर वृत्त खींच दें।

स्वर्गदूत :

अ. वे हैं जिनकी आराधना की जानी चाहिए।

ब. परमेश्वर के अधिकार के बगैर कार्य कर सकते एवं बातें कर सकते हैं।

स. परमेश्वर के सेवक हैं तथा परमेश्वर के बच्चों की सहायता करते हैं।

अपने उत्तरों की जांच करें

१. आत्मा, भय, उसकी आत्मा, सामर्थ, प्रेम, संयम

४. अ. परमेश्वर की आराधना करती है।

ब. तरक्की देती हैं।

स. सुरक्षा प्रदान करती हैं।

२. अ. शैतान गर्जने वाले सिंह के समान है जो मसीही विश्वासियों को नुकसान पहुंचाना चाहता है।

स. यीशु के क्रूस पर बहाए गये लोहू के द्वारा हम शैतान एवं अशुद्ध आत्माओं के ऊपर जय प्राप्त कर सकते हैं।

ड. यदि एक विश्वासी शैतान का मुकाबला करे तो वह उसकी कुछ भी हानि नहीं कर सकता।

५. स. परमेश्वर के सेवक हैं तथा परमेश्वर के बच्चों की सहायता करते हैं।

३. अनन्त काल की आग

आपकी टिप्पणी के लिए